डॉ. राम आशीष
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
हिन्दी
विषय - हिन्दी साहित्य इतिहास की आधार-भूत सामग्री।
कक्षा - परास्नातक III सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

॥ हिन्दी साहित्येतिहास की आधार भूत सामग्री ॥

हिन्दी साहित्येतिहास की आधार भूत सामग्री शीर्षक में हम इन स्त्रोतों व आधारों पर चर्चा करेंगे, जिनसे हिन्दी साहित्येतिहास लेखन में सहायता ली जाती है। इन्हें पाँच वर्गों में विभाजित किया जा सकता है-

1- साहित्यकारों की प्रकाशित व अप्रकाशित रचनाएँ।

2- साहित्यकारों व साहित्यिक रचनाओं का परिचय प्रस्तुत करने वाली कृतियाँ।

3- साहित्य के विभिन्न अंगों, रूपों, धाराओं व प्रवृत्तियों की व्याख्या से सम्बन्धित आलोचनात्मक व अनुसंधान परक ग्रन्थ।

4- प्राचीन साहित्यकारों के काल निर्धारण व रचनाकाल के निर्णय में योग देने वाली ऐतिहासिक सामग्री, जैसे- शिलालेख, वंशावलियाँ, प्रकाशित इतिवृत्त आदि।

5 → विभिन्न युगों व आंतरिक व बाह्य परिस्थितियों, स्थितियों पर प्रकाश डालने वाली सामग्री।

उपर्युक्त वर्गों में प्रथम वर्ग में प्रकाशित रचनाएँ सभी की प्राप्ति तो सुकर नहीं है लेकिन अप्रकाशित रचनाओं की प्राप्ति अवश्य कठिन है। नागरी प्रचारिणी सभा व कई अन्य संस्थाएँ इस क्षेत्र

Scanned with CamScanner

में अनवरत लगी है। परिणामस्वरूप कई रचनाओं का प्रकाशन भी हुआ। परन्तु इस वर्ग से सम्बन्धित हजारों रचनाएँ अद्यतन अप्रकाशित हैं। द्वितीय वर्ग की प्राप्त रचनाओं में, दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता, चौरासी वैष्णवन की वार्ता, 'भक्तमाल', 'गुरुग्रन्थ साहब', 'भक्तनामावली', 'कवि माला', 'कालिदास हजारा', 'सत्कवि गिरा विलास', 'कवितावली', 'रागकल्पद्रुम', 'शृंगार संग्रह' आदि महत्वपूर्ण हैं। इन रचनाओं से मध्यकालीन कवियों व रचनाओं के विषय महत्वपूर्ण सूचनाएँ मिल जाती हैं। अनाधुनिक काल के साहित्य का परिचय देने के लिए डॉ० माता प्रसाद गुप्त, डॉ० प्रेमनारायण टण्डन व अन्य कई लेखकों और उनकी रचनाओं का वृत्त संग्रह निर्देशिकाओं के रूप में प्रकाशित हुआ है। यह इतिहास लेखन के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

Scanned with CamScanner